

Evaluation मूल्यांकन

Evaluation is a scientific method by which teachers assess the knowledge and skill of the learner.

Educational Importance of Evaluation

- ✓ It develops a sense of learning among students.
- ✓ Students' become motivated for their lesson and start emphasizing on its different aspects.
- ✓ It develops a feeling of competition among students.
- ✓ It forwards students towards learning
- ✓ Helpful in achieving the teaching objectives.
- ✓ Helps in the guidance of the learners.
- ✓ Helps in the progress of the students.
- ✓ Helps in the selection of teaching methods.
- ✓ It increases self-confidence in learners.
- ✓ Helps in finding the weaknesses of the students.

Characteristics of a good Evaluation

1. Reliability – Reliability stands for a test on which there will be no effect of time and evaluator. It means we get same results on the same test every time. E.g. Objective Tests are more reliable than Essay type tests as there is no impact on score according to time and evaluator.

2. Validity - There is a particular objective of each test by which we evaluate the desired knowledge or skill of the learner. If a test evaluates the fixed objectives then it is called a valid test.

3. Comprehensiveness – The number and area covered in the questions must evaluate the skill and knowledge of the learners in a real sense.

4. Practicability – Test should not be so lengthy or expensive, should not inappropriate for the learner and they could not use unfair

मूल्यांकन एक ऐसी वैज्ञानिक विधि है जिसके द्वारा शिक्षक छात्रों के ज्ञान एवं कौशल का आकलन करते हैं।

परीक्षा का शैक्षिक महत्व

- ✓ छात्रों में सीखने की सूझ उत्पन्न करता है।
- ✓ छात्र अपने विषय/पाठ के प्रति अभिप्रेरित हो उठते हैं तथा उसके विभिन्न पहलुओं पर ध्यान देना प्रारंभ कर देते हैं।
- ✓ छात्रों में प्रतियोगिता की भावना विकसित करता है।
- ✓ विद्यार्थियों को अधिगम की और अग्रसर करता है।
- ✓ शिक्षण के उद्देश्यों की प्राप्ति में सहायक है।
- ✓ विद्यार्थियों के व्यक्तिगत मार्गदर्शन में सहायक है।
- ✓ बच्चों की प्रगति में सहायक है।
- ✓ उचित शिक्षण विधियों के चुनाव में सहायक है।
- ✓ बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ाता है।
- ✓ बच्चों की कमजोरियों को जानने में सहायक है।

उत्तम मूल्यांकन के गुण

1. विश्वसनीयता – विश्वसनीयता से तात्पर्य उस मूल्यांकन से है जिसके परिणाम पर समय तथा जांचकर्ता का प्रभाव ना पड़े अर्थात एक परीक्षा में हर बार समान ही अंक प्राप्त हों। जैसे – वस्तुनिष्ठ परीक्षाएं, निबंधात्मक परीक्षाओं की अपेक्षा ज्यादा विश्वसनीय होती हैं क्योंकि समय या जांचकर्ता के अनुसार इनके अंको में परिवर्तन नहीं होता।

2. वैधता – प्रत्येक परीक्षा का एक निश्चित उद्देश्य होता है जिसके द्वारा हम शिक्षार्थी के ज्ञान अथवा कौशल का वांछित मूल्यांकन करते हैं। यदि परीक्षा तय किये गये उद्देश्यों का मूल्यांकन करती है तो वह वैध परीक्षा कहलाती है।

3. समग्रता – परीक्षा में इतने प्रश्न कम से कम अवश्य होने चाहिए जिसके द्वारा छात्रों के कौशल एवं ज्ञान का मापन सच्चे अर्थ में हो सके।

For deep understanding visit our YouTube Channel **pavitracademy**

4. व्यावहारिकता – परीक्षा का स्वरूप ऐसा हो जिसमें अत्यधिक समय न लगता हो, संचालन में अधिक खर्च न लगता हो, छात्र की नजर में वह अनुपयुक्त न हो तथा अनुचित साधनों का प्रयोग भी न हो सके।

means in the test.

5. Objectivity – Structure of question should be like that each student will interpret the question in the right way and teachers can also evaluate on a clear and scientific basis and any prejudice of the examiner could not affect the result.

6. Usefulness – Curriculum and test should be related to real life and should be useful for the learner.

Types of Evaluation

1. Oral Examination – It is the easiest method. In this Oral questions are answered orally.

2. Written Examination – In this, the answers are given by writing or marking by the learner generally at a specific time. These are mainly of two types –

(i) Essay Type Examination – These are often termed as Open-Ended Questions. In these types of questions, students give their answers in writing, on the basis of directed numbers or words. It includes short answer type and long answer type questions.

(ii) Objective Examination – These are often termed as Close-Ended Questions. In these, the answers are given in only one or two words or by marking. It may be of following types –

Two-alternative Objective Test – These questions include two answers i.e. ‘Yes-No’ type or ‘Right-Wrong’ or ‘True-False’ type questions.

Multiple Choice Test – These questions generally have four options for a question. Out of which the learner has to select only one option which he/she thinks the most appropriate.

Matching Test – These questions have two columns. In which the problem given in one column matched with the answer or related item in the second column.

Fill in the blank Test – These questions have a blank in which the student has to fill the

5. वस्तुनिष्ठता – प्रश्नों का स्वरूप ऐसा होना चाहिए जिससे सभी छात्र एक ही ढंग का अर्थ निकालते हों तथा शिक्षक एक स्पष्ट एवं वैज्ञानिक आधार पर मूल्यांकन कर सके और परीक्षक का पूर्वाग्रह उसे प्रभावित न कर पाए।

6. उपयोगिता – पाठ्यक्रम तथा परीक्षा जीवन से संबंधित तथा उपयोगी होनी चाहिए।

मूल्यांकन के प्रकार

1. मौखिक परीक्षा – यह सरलतम विधि है। इसमें मौखिक प्रश्नों का उत्तर मौखिक रूप से दिया जाता है।

2. लिखित परीक्षा – इसमें उत्तर लिखकर या चिह्न लगाकर तथा सामान्यतः एक निश्चित समय सीमा में देना होता है। ये मुख्यतः दो प्रकार के होते हैं –

क. निबंधात्मक परीक्षा – इन्हें कई बार मुक्त अंत अथवा मुक्त उत्तरीय प्रश्न भी कहा जाता है। इसमें बच्चे को किसी विषय पर निर्देशित अंकों तथा शब्दों के आधार पर लिखित में उत्तर देने होते हैं। इसमें लघु उत्तरात्मक तथा दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न हो सकते हैं।

ख. वस्तुनिष्ठ परीक्षा – इन्हें कई बार बंद अंत अथवा सीमित उत्तरीय प्रश्न भी कहा जाता है। इसमें एक या दो शब्दों या चिह्नों के माध्यम से उत्तर दिये जाते हैं। इसके निम्न प्रकार हो सकते हैं–

दो-विकल्पी वस्तुनिष्ठ परीक्षण – इनके दो-दो उत्तर जैसे – हाँ-नहीं, सही-गलत आदि दिये रहते हैं।

बहुविकल्पीय परीक्षण – इसमें प्रत्येक प्रश्न के सामान्यतः चार विकल्प दिये होते हैं जिसे चिह्नित करके उत्तर दिया जाता है।

मिलान परीक्षण – इनमें दो कॉलम होते हैं जिनमें एक कॉलम की समस्याओं का दूसरे कॉलम के उत्तरों या संबंधित शब्दों से मिलान करना होता है।

रिक्त स्थान पूर्ति परीक्षण – इनमें प्रत्येक प्रश्न में एक रिक्त स्थान छोड़ दिया जाता है जिसे छात्र को भरना होता है।

वर्गीकरण प्रश्न – पाँच छः शब्दों के एक शब्द समूह में से अलग शब्द निकालना।

most appropriate answer.

Classification Test – To find out the odd one from five to six related words.

Arrangement Test – To arrange words in a proper sequence.

3. Open-Book Examination – In these tests the learner may use a book during the examination.

4. Closed-Book Examination – The use of the book in this examination is restricted.

Formative Evaluation (Assessment for Learning)– In this type of evaluation, the evaluation may be conducted at any time during the running session as facilitates by the teacher or learner. It is a product of **CCE Continuous and Comprehensive Evaluation** suggested by **NCERT**.

Summative Evaluation (Assessment of Learning) – These are conducted generally at the end of the session. On the basis of this, it is confirmed that the student should be promoted to the next class.

Diagnostic Evaluation – These are conducted to find out the causes of any educational/learning problem in students.

The evaluation may be further categorised -

On the basis of Administration

Individual Tests – These are conducted on one individual at a particular time. E.g. Koh's Block Design Intelligence Test.

Group Tests – These are generally conducted on more than one individual or a group of individuals at the same time. Eg. General Competitive Exams.

On the basis of Scoring

Objective Test – The answers to these questions are fixed and may contain maximum one or two words. Eg. Multiple Choice Questions, True-False, Matching Type etc.

Subjective Test – These are often conducted

व्यवस्थीकरण प्रश्न – शब्दों को व्यवस्थित रूप से लगाना।

3. खुली किताब परीक्षा – इसमें छात्र परीक्षा के दौरान उत्तर देते समय अपनी पाठ्यपुस्तक या अन्य कोई किताब जिसकी उन्हें जरूरत पड़ती है उसकी मदद लेते हैं।

4. बंद किताब परीक्षा – इसमें परीक्षा के दौरान पाठ्यपुस्तक का प्रयोग वर्जित होता है।

निर्माणात्मक/रचनात्मक मूल्यांकन (शिक्षा के लिए मूल्यांकन) – इसमें अध्यापक अपनी तथा शिक्षार्थी की सुविधानुसार चालू सत्र के बीच पढ़ाते समय बालक के ज्ञान तथा कौशल की जांच करते हैं। यह NCERT द्वारा प्रदत्त सतत् तथा व्यापक मूल्यांकन की देन है।

For deep understanding visit our YouTube Channel **pavitracademy**

योगात्मक/संकल्पात्मक/अंतिम मूल्यांकन (शिक्षा का मूल्यांकन) – यह सत्र के अंत में होता है जिससे यह तय होता है कि बालक अगली कक्षा में जाने योग्य है या नहीं।

For deep understanding visit our YouTube Channel **pavitracademy**

निदानात्मक मूल्यांकन – बालक की शिक्षा संबंधी समस्याओं का कारण ढूँढने के लिए किया गया मूल्यांकन निदानात्मक मूल्यांकन कहलाता है।

मूल्यांकन को विभाजित किया जा सकता है -

क्रियान्वयन के आधार पर

वैयक्तिक परीक्षण – इसे एक समय में एक व्यक्ति पर क्रियान्वित किया जाता है। उदाहरण – कोह का ब्लॉक डिजाइन बुद्धि परीक्षण।

समूह परीक्षण – इसका क्रियान्वयन सामान्यतः एक ही समय में एक से अधिक या समूह पर किया जाता है। उदाहरण – सामान्य प्रतियोगिता परीक्षाएं।

प्राप्तांक-लेखन की कसौटी के आधार पर

वस्तुनिष्ठ परीक्षण – इनके उत्तर निश्चित होते हैं तथा अधिक से अधिक एक या दो शब्दों वाले हो सकते हैं। उदाहरण – बहु-विकल्पी प्रश्न, सही-गलत प्रश्न, मिलान प्रश्न, आदि।

आत्मनिष्ठ परीक्षण – इनका प्रयोग शिक्षक कक्षा की

to test the achievements of students and the students are required to write the answers. Eg. Essay Type Questions.

On the basis of Time-limit

Ability/Power Tests – In these tests, a minimum time is given whosoever completes the task in the given time, is qualified.

Speed Tests – In these tests, the responding time is also counted along with the number of correct answers. Eg. Typing Test.

On the basis of Nature of Items

Verbal Tests (Pencil-and-Paper Test) – In these tests, students read questions and directions and after that give answers by writing or marking.

Non-Verbal Tests – In these tests, each question is provided in the form of a picture and the students are required to find the answer from the given pictures. Eg. Raven Progressive Matrices.

Performance Tests – In these tests there are some real objects in front of the students out of which they are required to answer after modifying these objects. Eg. Pass-along Test, Cube Structure Test.

Non-verbal Tests – Students are required to use sign language only for their answering. Eg. Cattle Culture Free or Fair Test.

On the basis of Standardisation

Teacher-made Test – These tests are prepared by the teachers for the evaluation of the students of their own class.

Standardized Tests - These are formed by the curriculum experts/professionals or a team of teachers.

On the basis of Purpose or Objective

Intelligence Tests – These are conducted to test the Intelligence of the learners.

Aptitude Test – These are conducted to test the aptitude (inner power of the learner in a specific area) of the learner.

Personality Test – These are conducted to test the traits, adjustments, attitude, values, etc.

उपलब्धियों की जाँच करने में अक्सर करते हैं तथा छात्रों को लिखकर उत्तर देने होते हैं। उदाहरण – निबंधात्मक प्रश्न।

समय सीमा की कसौटी के आधार पर

क्षमता परीक्षण – इनमें छात्रों के लिए कुछ न्यूनतम सीमा रख दी जाती है जो उसे पार कर जाता है वह सफल हो जाता है।

गति परीक्षण – इसमें सही के साथ-साथ कितने समय में जवाब दिया यह भी महत्वपूर्ण होता है। उदाहरण – टाइपिंग टेस्ट।

प्रश्नों के स्वरूप के आधार पर

शाब्दिक परीक्षण (पेंसिल और कागज परीक्षण) – इनमें प्रश्नों एवं निर्देशों को छात्र पढ़ते हैं तथा उसे समझकर उनका लिखित में या चिह्नित करके उनका उत्तर देते हैं।

अशाब्दिक परीक्षण – प्रत्येक प्रश्न में चित्र के सहारे एक समस्या उपस्थित की जाती है और उसका उत्तर छात्र को दिए चित्रों में से ही खोजकर निकालना होता है। उदाहरण – रेवेन प्रोग्रेसिव मैट्रिसेज।

क्रियात्मक परीक्षण – इनमें छात्र के सामने कुछ वास्तविक वस्तुएं होती हैं जिनमें जोड़-तोड़ करके उसका उत्तर ढूंढ निकालना होता है। उदाहरण – पास अलॉन्ग टेस्ट, घन संरचना परीक्षण।

अभाषाई परीक्षण – छात्र को मात्र संकेत देकर प्रत्येक प्रश्न का उत्तर बताना होता है। उदाहरण कैटल कल्चर फ्री या फेयर परीक्षण।

मानकीकरण के आधार पर

शिक्षक-निर्मित परीक्षण – इन्हें शिक्षक अपनी कक्षाओं के भीतर ही छात्रों के निष्पादन की जाँच करने के लिए करते हैं।

मानकीकृत परीक्षण – इन्हें परीक्षण विशेषज्ञों या अन्य शिक्षकों एवं पाठ्यक्रम विशेषज्ञों की मदद से तैयार किया जाता है।

उद्देश्य के आधार पर

बुद्धि परीक्षण – इनका उद्देश्य छात्र की बुद्धि मापना होता

Achievement Test – Conducted to test the earned skill in a particular subject or area.

Classification of Educational Objectives

As classified by **Bloom**, Educational Objectives may cover 3 domains or area:

1. Cognitive Domain – It is related to earning **Knowledge**. It has six main parts i.e. **Knowledge, Comprehension, Application, Analysis, Synthesis, and Evaluation**.

2. Affective Domain – It is related to change in feelings towards anything during doing any work. It has 5 main parts i.e. **Receiving/Attending, Responding, Value, Organization and Characterization of a value or Value Complex**.

3. Conative/Psychomotor Domain – It is related to performing any task. It has 6 main parts – **Reflex Movements, Basic Fundamental Movements, Physical Abilities, Perceptual Abilities, Skilled Movements and Non-discursive Communication**.

है।

अभिक्षमता परीक्षण – इनका उद्देश्य छात्र की अभिक्षमता (किसी विशेष क्षेत्र में छात्र के भीतर छिपी अंतः शक्ति) को मापना होता है।

व्यक्तित्व परीक्षण – इनके द्वारा छात्रों के शीलगुण, समायोजन, अभिरूचि, मूल्य आदि का मापन होता है।

उपलब्धि परीक्षण – इनके द्वारा किसी खास विषय या क्षेत्र में छात्रों की अर्जित निपुणता को मापा जाता है।

शैक्षिक उद्देश्यों का वर्गीकरण

ब्लूम के अनुसार शैक्षिक उद्देश्य 3 प्रकार के हो सकते हैं –

1. ज्ञानात्मक पक्ष – इसका संबंध ज्ञान अर्जित करने से है। इसके छः मुख्य भाग – **ज्ञान, बोध, प्रयोग, विश्लेषण, संश्लेषण तथा मूल्यांकन** हैं।

For deep understanding visit our YouTube Channel **pavitracademy**

2. भावात्मक पक्ष – इसका संबंध किसी कार्य को करते हुए छात्र के भावों में परिवर्तन से है। इसके 5 मुख्य भाग – **आग्रहण या ध्यान देना, अनुक्रिया, आकलन, संगठन, तथा मूल्यों का चरित्रीकरण या विशेषीकरण** हैं।

For deep understanding visit our YouTube Channel **pavitracademy**

3. क्रियात्मक या गत्यात्मक पक्ष – इसका संबंध क्रियाओं को करने से है। इसके मुख्य 6 भाग – **सहज क्रियात्मक अंग संचालन, आधारभूत अंग संचालन, शारीरिक योग्यताएं, प्रत्यक्षीकरण योग्यताएं, कौशलयुक्त अंगसंचालन तथा सांकेतिक सम्प्रेषण** हैं।